Dainik Bhaskar (Gurgaon) 6 December, 2017

सम्मेलन एसोचैम के सहयोग से आयोजित प्रोग्राम में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने स्वरोजगार पर दिया जोर, कहा-

रोजगार पैदा करने वाले उद्यमी तैयार करें: कुशवाहा

भास्कर न्यूज। गुड़गांव

भारत के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक एमडीआई गुड़गांव ने उद्योग एसोसिएशन एसोचैम के सहयोग से आर्थिक सुधारों के विकास में प्रबंध परिवर्तन पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को वैश्विक आर्थिक माहौल में हो रहे परिवर्तन के बारे में समृद्ध करना है। सम्मेलन में पहले दिन बी-स्कूलों से जुड़े 150 प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर 70 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और चर्चा की गई।

सम्मेलन में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने स्वरोजगार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज रोजगार के अवसर पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने बी-स्कूल संचालकों को नसीहत दी कि आज नौकरी तलाशने वाले युवकों को प्रशिक्षित करने की बजाय नौकरी पैदा करने वाले उद्यमी बनाने की जरूरत है। उन्होंने मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे विभिन्न पहलुओं के बारे में अपने विचार रखे। कुशवाहा ने कहा कि देशभर में व्यापा और व्यावसायिक अवसरों में मात्रात्मक औ गुणात्मक बदलाव हुए हैं। विकासशील बाजा की गतिशीलता के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है चुनौती का सामना करने के लिए व्यापार के नए तरीके सोचने की आवश्यकता है। उन्हों भरोसा दिलाया कि भारत ने घरेलू और विदेश निवेशकों के लिए व्यापार आसान करने के लि विभिन्न सुधार और नीतियां शुरू की हैं।

गुड़गांव. राष्ट्रीय वार्ता में भाग लेते लिट्रेसी सचिव अनिल स्वरूप (बाएं) व अन्य।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से संबंधि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचि अनिल स्वरूप ने राजनीतिक और सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने व्यवहारिक औ प्रशासनिक स्तर पर सुधार के उपाय सुझाए।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Amar Ujala (Gurgaon) 6 December, 2017

युवा नौकरी निर्माता बनने की करें कोशिश : कुशवाहा

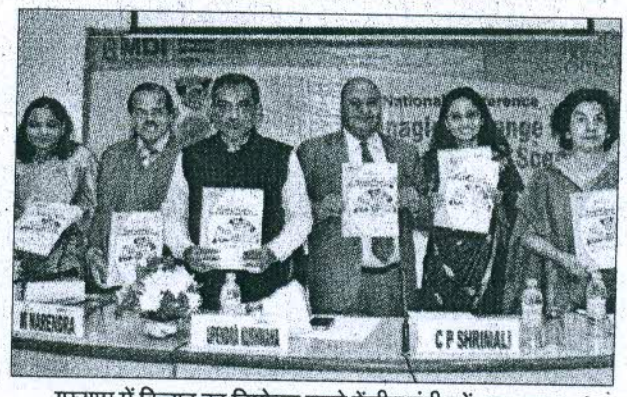

गुरुग्राम में किताब का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा।

एमडीआई में मानव संसाधन विकास मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने युवाओं को किया आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

गुरुग्राम।

सेक्टर-17 स्थित एमडीआई संस्थान में मंगलवार को एसोचैम के सहयोग से 'उभरते आर्थिक परिदृश्य में बदलते प्रबंधन' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आरंभ किया गया। प्रतिभागियों को वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजरने वाले परिवर्तन के बारे में अवगत करवाने के उद्देश्य यह इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। । इसमें बिजनेस स्कूलों के 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित मानव संसाधन विकास मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि छात्रों में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास करने की आवश्यकता है। युवाओं को नौकरी तलाशने वाले की बजाय नौकरी निर्माता बनने की कोशिश करनी चाहिए। जिससे वह स्वयं रोजगार उत्पन्न कर सकें।

वहीं सरकार भी इस पहल के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत युवाओं का सहयोग कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए शिक्षकों का कौशल विकास भी जरूरी है। संस्थान के निदेशक प्रो. सीसी श्रीमाली ने कहा कि पूरे देश में व्यापार और व्यावसायिक अवसरों में उदारीकरण और गुणात्मक बदलाव आ गया है।

प्रतिस्पर्धा और विकासशील बाजार की गतिशीलता के कारण, संगठनों में व्यावसायिक रणनीतियों और मॉडल हमेशा निरंतर स्थिति में होते हैं और इसलिए व्यापार में आने वाली चुनौती के लिए नए तरीके से सोचने की आवश्यकता होती है। जिसके लिए घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए व्यापार करने में आसानी के लिए विभिन्न सुधार और नीतियां शुरू की गई हैं। इस अवसर पर डीन-रिसर्च प्रो. राधा आर शर्मा, प्रो. प्रियंका वल्लभ, प्रो. लीना व अन्य शिक्षाविद मौजूद रहे।

Gurgaon Mail (Gurgaon) 6 December, 2017

उभरते आर्थिक परिदृश्य में बदलाव के प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 5 दिसंबर। देश के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में एक एमडीआई, गुरुग्राम ने एसोचैम के सहयोग से उभरते हुए आर्थिक परिदृश्य में बदलाव के प्रबंधन के मुद्दे पर 5 और 6 दिसंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

चुनौतियों पर काबू पाना है तो...

इस दो दिवसीय सम्मेलन का मकसद भागीदारों को विश्व के बदलते आर्थिक माहौल में बदलाव के उस मौजूदा दौर की जानकारी देना है, जिससे दुनिया इस समय गुजर रही है। विश्व के कई देशों में व्यापार और कारोबार के अवसरों में मात्रात्मक और गुणात्मक बदलाव हुए हैं। प्रतिस्पर्धा और उभरते हुए बाजार की गतिशीलता के कारण संगठनों में व्यापार की रणनीति और मॉडल में लगातार नए-नए विचारों का प्रवाह होता रहता है, इसलिए व्यापार का प्रबंधन करने की चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लगातार नए ढंग से विचार की जरूरत है। भारत ने घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए कारोबार को आसान बनाने की दिशा में कई सुधार किए हैं और कई नीतियों को लागू किया है। एक स्वस्थ सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का गठन करने के लिए लगातार गंभीर चिंतन करने और चिंतन से उपजे सवालों का सटीक जवाब पाने की जरूरत बनी रहती है। इस संदर्भ में इस सम्मेलन ने मैनेजरों, कारोबारियों, शिक्षाविदों, समाजशास्त्रियों और अर्थशास्त्रियों के नजरिये से बदलते आर्थिक और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में कारोबार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर दिया।

प्रोफेसर राधा आर. शर्मा, डीन-रिसर्च, सीओई, ईवी, सीसी, एफपीएम ने दर्शकों का स्वागत किया। इसके बाद दीप प्रज्जवलित किया गया। गुरुग्राम के एमडीआई में कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर सी.पी. श्रीमाली ने इस मौके पर उपस्थित सम्मानित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, सीखना एक एकीकृत प्रक्रिया है। हमारा ध्यान अर्थव्यवस्था में बदलाव के कारण कारोबार की मौजूदा प्रवृत्तियों में बदलाव पर है। एसोचैम के महासचिव श्री डी.एस. रावत ने सम्मलेन की थीम पर कहा, बदलाव कुदरत की मूलभूत विशेषताओं में से एक है। हर कोई, चाहे वह व्यक्ति हो या संस्था, बदलाव जरूरी है। तेजी से हो रही वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति विश्व को फिर से आकार दे रही है।

हमें ही लाना होगा बदलाव

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव श्री अनिल स्वरूप ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि अगर बदलाव राजनैतिक रूप से स्वीकार्य, सामाजिक रूप से जरूरी, वित्तीय और तकनीकी रूप से व्यावाहरिक और प्रशासनिक रूप से संभव हो तो बदलाव जरूरी होगास हालांकि हमें स्वयं इस बदलाव का वाहक बनना होगा।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि और माननीय केंद्रीय मानव संसाधन राज्य मंत्री श्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, आज स्वरोजगार की जरूरत है। आपको रोजगार की तलाश करने वाला उम्मीदवार बनने की जगह रोजगार का सृजन करने वाला बनना चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से की गई अनेक पहलों जैसे मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया की जानकारी दी, जिसे मोदी सरकार ने जनता की भलाई के लिए शुरू किया है।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Dainik Jagran (Gurgaon) **6 December, 2017**

शिक्षा क्षेत्र में दिखने लगा है बदलाव : उपेंद्र

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा शिक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी होनी चाहिए, लेकिन शिक्षा माफिया नहीं होने चाहिए। शिक्षा क्षेत्र को माफिया से मुक्त करने के लिए सरकार पूरे प्रयास कर रही है। यह बात उन्होंने प्रबंध विकास संस्थान (एमडीआइ) में आर्थिक परिदृश्य व शिक्षा पर हुए सेमिनार के दौरान कही। उन्होंने कहा उभरते आर्थिक परिदृश्य में बदलाव लाने के लिए निजी सेक्टर को सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर सरकार का सहयोग करने की जरूरत है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा

सेमिनार को संबोधित करते केंद्रीय राज्य मंत्री उपेंद्र कुशवाहा • जागरण

कि शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। इसके लिए भर्ती प्रक्रिया को भी सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में बदलाव के संकेत दिखने लगे हैं । मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय में स्कूली शिक्षा व साहित्य विभाग के सचिव अनिल स्वरूप ने कहा हम शिक्षा के क्षेत्र को साफ और सुंदर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोयले के क्षेत्र में खाने तो अंदर थी और माफिया ऊपर लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में इसका उल्टा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में मैनेजमेंट की स्थिति कोयले के क्षेत्र से कहीं बुरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में माफिया अंडरग्राउंड हैं जिन्हें उखाड़ फेंकने के लिए मंत्रालय प्रयास रत है। इस दौरान एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा कि जिस हिसाब से प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हो रही है, उस हिसाब से आने वाले समय में देश में बड़ा बदलाव आएगा।